शिवाशिवशतक।

अर्थात्

पार्वती और परमेश्वर का अनेक भाव से स्तुति।

श्रीमन्महाराज कुमार बाबू नर्मदेश्वरप्रसाद सिंह साहब दलीपपुर रचित।

जिसको

डुमरॉव निवासी नकछेदी तिवारी उपनाम अजान कवि ने सज्जनों के चित्तविनो-दार्थ प्रकाशित किया।

'अधूरा देखने से न देखना अच्छा"

यह पुस्तक भारतजीवन प्रेस काशी में छपी और उक्त प्रेस में मिलेगी।

काशी।

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुआ।

सन् १८९२ ई०।

प्रथम बार १०००।